शिव भोले की भक्ति | By Sanjay Chauhan |

जो शिव भोले की भक्ति में रम जाएगा
हँसते हँसते भव सागर तर जाएगा

शिव भोले औघड़दानी
सुनते हैं सबकी बानी
इंसान तो क्या देवों में
इनकी महिमा है बखानी

शरण जो आएगा
शिव भोले के पावन दर्शन पाएगा
जो शिव भोले की भक्ति में रम जाएगा
हँसते हँसते भव सागर तर जाएगा

ये नीलकंठ कहलावे
भक्ति की लाज बचावे
अमृत देवों को देकर
विष को खुद ही पी जाए

वो अमृत पाएगा
शिव गुणगान जो मन से प्राणी गाएगा
जो शिव भोले की भक्ति में रम जाएगा
हँसते हँसते भव सागर तर जाएगा

शिव तो हैं अंतर्यामी
सारे जग के हैं स्वामी
सब इनके गुण गावे
ज्ञानी हो या अज्ञानी

वरदान पाएगा
सच्चे मन से शिव वरदान जो मांगेगा
जो शिव भोले की भक्ति में रम जाएगा
हँसते हँसते भव सागर तर जाएगा

जो शिव भोले की भक्ति में रम जाएगा
हँसते हँसते भव सागर तर जाएगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%bf-by-sanjay-chauhan/